आरोप — समय से पहले काम खत्म करने की होड़ में गुणवत्ता भूली कंपनी, 20 दिन पहले बनी सड़क हाथों से उखड़ी, ग्रामीणों में रोष

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क जनमन योजना

नवभारत, उदयपुर। केंद्र व राज्य सरकार आदिवासियों और सुदूर ग्रामीणों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भले ही करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही हो, लेकिन विभागीय अफसरों की सुस्ती और ठेकेदारों की मनमानी के कारण ये योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही हैं। ताजा मामला बीजाडांडी जनपद के अंतर्गत जमुनिया पंचायत के पोषक ग्राम डोभी में सामने आया है। यहाँ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क जनमन योजना के तहत बनी एक नई सड़क निर्माण के महज 20 दिनों के भीतर ही जगह-जगह से उखड़ने लगी है। घटिया निर्माण कार्य को देखकर ग्रामीणों में प्रशासन और ठेकेदार के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

जानकारी अनुसार नेशनल हाइवे 30 से डोभी बैगा मोहल्ला तक लगभग 1.52 किलोमीटर की इस सड़क का निर्माण मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण परियोजना इकाई मंडला के तत्वावधान में कराया गया है। इस कार्य की स्वीकृत राशि 87.87 लाख रुपये थी। विभाग द्वारा इस सड़क निर्माण का जिम्मा मेसर्स वर्धमान ग्लोबल इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड मंडला को सौंपा गया था। अनुबंध के तहत ठेकेदार को यह काम 31 अक्टूबर 2025 से शुरू कर 30 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण करना था।

हाथों से उखड़ रहा डामर, भारी वाहनों के आते ही धंसने का खतरा : ग्रामीणों ने बताया कि मुख्य ठेकेदार कंपनी ने खुद काम न कराकर इसे पेटी कॉन्ट्रैक्ट पर किसी अन्य पेटी ठेकेदार को सौंप दिया। समय सीमा से करीब चार महीने पहले ही आनन-फानन में सड़क का निर्माण तो पूरा कर लिया गया, लेकिन गुणवत्ता को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले कई वर्षों से इस मार्ग पर पक्की सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। सालों के लंबे इंतजार के बाद जब सड़क बनी, तो उसकी हालत देखकर हर कोई दंग है। सड़क को बने अभी महीने भर भी नहीं बीता है और डामर की परतें हाथों से उखड़ने लगी हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण में न तो सही मात्रा में मटेरियल का उपयोग किया गया है और न ही मानकों का ध्यान रखा गया है। बेहद निम्न दर्जे के डामर का इस्तेमाल किया गया है। स्थिति यह है कि यदि इस मार्ग से एक भी ओवर लोडेड वाहन गुजर जाए, तो पूरी सड़क मलबे में तब्दील होकर धंस जाएगी।

खेतों की तर्ज पर डाल दीं पुलिया, पुराने टूटे पाइपों का हुआ इस्तेमाल

ठेकेदार की लापरवाही का सबसे बड़ा उदाहरण सड़क पर बनाई गई पुलियाओं में देखने को मिला है। इस 1.52 किलोमीटर के टुकड़े में एक बड़ी पुलिया के साथ 4 से 5 जगहों पर कल्वर्ट (पाइप पुलिया) डाले गए हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि पूरी सड़क बनने के बाद ठेकेदार ने इसे दोबारा खोदकर पाइप डाले और ऊपर से केवल मिट्टी डाल दी। इस निर्माण में न तो कोई कांक्रीट बेस तैयार किया गया और न ही विंग वॉल बनाई गई। ग्रामीणों ने तंज कसते हुए कहा कि जिस तरह किसान अपने खेतों की मेढ़ को जोड़ने के लिए अस्थाई पाइप डालते हैं, ठीक उसी तर्ज पर यहाँ भी पाइप डाल दिए गए हैं।

कुत्तों के हमले से बचने मकान के अंदर जा घुसा चीतल

- ग्रामीणों ने सुरक्षित बचाकर वन विभाग को सौंपा, डिप्टी रेंजर पर फोन नहीं उठाने और लापरवाही का आरोप

नवभारत, नैनपुर। ग्राम सिमराहा में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आवारा कुत्तों के हमले से जान बचाकर भाग रहा एक चीतल सीधे गांव के एक रिहाइशी मकान में घुस गया। ग्रामीणों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए चीतल को आवारा कुत्तों से सुरक्षित बचाया और उसे एक कमरे में बंद कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, चीतल बेहद डरा-सहमा हुआ था। यदि समय रहते उसे सुरक्षित स्थान पर नहीं रखा जाता, तो कुत्तों के हमले में उसकी जान जा सकती थी।

चीतल को सुरक्षित करने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सुखदेव ठाकुर सहित अन्य ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना देने का प्रयास किया। ग्रामीणों का आरोप है कि आपातकालीन स्थिति होने के बावजूद वन विभाग के जिम्मेदारों ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई। कई बार फोन करने के बाद जब डिप्टी रेंजर ने फोन उठाया, तो उन्होंने तत्काल मौके पर टीम भेजने के बजाय व्यस्तता का हवाला दिया और ग्रामीणों को स्वयं ही व्यवस्था करने की बात कह दी। अधिकारियों के इस गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार पर ग्रामीणों ने तीखी नाराजगी व्यक्त की है।

गश्त नहीं होने से रिहाइशी इलाकों में आ रहे वन्यजीव

बताया गया कि सिमराहा गांव पंडीबारा प्रोजेक्ट वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आता है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में रेंजर, डिप्टी रेंजर और वनरक्षक की तैनाती होने के बावजूद अधिकारी-कर्मचारी मुख्यालय व क्षेत्र से नदारद रहते हैं। जंगलों में नियमित निगरानी और गश्त न होने के कारण वन्यप्राणी भटककर लगातार रिहाइशी इलाकों की तरफ आ रहे है।

देर से पहुंची टीम

काफी जद्दोजहद और हंगामे के बाद आखिरकार वन विभाग की टीम मौके पर पहुँची। टीम ने चीतल का रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित पकड़ा और ले जाकर वापस जंगल में छोड़ दिया।

ग्रामीणों ने दी चेतावनी

क्षेत्रवासियों ने वन विभाग से मांग की है कि वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए एक त्वरित रेस्क्यू टीम की व्यवस्था की जाए। साथ ही क्षेत्र में मैदानी अमले की नियमित मौजूदगी और गश्त बढ़ाई जाए, जिससे भविष्य में वन्यजीवों और ग्रामीणों के बीच किसी भी तरह के टकराव या हादसे को रोका जा सके।

एक नजर में

डूबने से युवक की मौत, एसडीईआरएफ ने निकाला शव

बम्हनी बंजर। बम्हनी थाना क्षेत्र के मुर्गाटोला धुआंधार जलाशय में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। शुक्रवार दोपहर एसडीईआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद जलाशय से शव बाहर निकाला। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, भडिया निवासी हीरा उडाली (26) गुरुवार को मछली पकडने के लिए मुर्गाटोला धुआंधार जलाशय गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। गुरुवार शाम अंधेरा होने और लगातार बारिश के कारण रेस्क्यू अभियान प्रभावी ढंग से नहीं चलाया जा सका। इसके बाद शुक्रवार सुबह पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम ने दोबारा तलाश अभियान शुरू किया। करीब दोपहर 12 बजे एसडीईआरएफ की टीम ने युवक का शव जलाशय से बाहर निकाला। रेस्क्यू अभियान का नेतृत्व हवलदार कोमल सिंह ने किया, जबकि एसडीईआरएफ एवं डीआरसी के जवानों ने अभियान में सहयोग किया। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनो को सौंप दिया गया। बम्हनी पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सर्पदंश को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क

मंडला। बरसात के मौसम में सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहन्ती ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि साँप काटने की घटना को गंभीरता से लें और प्रभावित व्यक्ति को बिना समय गंवाए नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं। झाड़-फूंक या अंधविश्वास पर निर्भर रहने से मरीज की जान को खतरा हो सकता है। सीएमएचओ ने बताया कि सर्पदंश की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को शांत रखें, उसे अनावश्यक चलने-फिरने न दें तथा काटे गए स्थान को साफ कर हल्के कपड़े से बांध दें। मरीज को करवट लिटाकर जल्द से जल्द स्वास्थ्य संस्थान पहुंचाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रस्सी से कसकर बांधना, ब्लेड से काटना, मुंह से जहर चूसना या ओझा-गुनिया के पास ले जाना जैसी पारंपरिक एवं अंधविश्वासपूर्ण गतिविधियाँ नहीं करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में सर्पदंश के उपचार के लिए एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन नि:शुल्क उपलब्ध है। लोगों से अपील की गई है कि अंधेरे में निकलते समय टॉर्च का उपयोग करें, बिलों एवं झाड़ियों में हाथ न डालें, पानी भरे गड्ढों से सावधानी बरतें तथा खेतों एवं खुले स्थानों पर जाते समय चप्पल या जूते अवश्य पहनें।

मंडला में आकाशीय बिजली का खतरा

मंडला। वर्षा ऋतु के दौरान आकाशीय बिजली की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मंडला ने आमजन से सतर्कता बरतने की अपील की है। विभाग द्वारा बताया गया है कि मानसून के दौरान विशेष रूप से जून से जुलाई के बीच वज्रपात की घटनाओं की संभावना अधिक रहती है, इसलिए नागरिकों को आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए।

जारी सलाह के अनुसार खेतों, निर्माण स्थलों, औद्योगिक क्षेत्रों, लोडिंग-अनलोडिंग स्थलों तथा खुले स्थानों पर कार्य करने वाले लोग विशेष सावधानी बरतें। आकाशीय बिजली के समय ऊँचे पेड़ों, बिजली के खंभों, धातु की वस्तुओं तथा खुले मैदानों से दूर रहें। स्वास्थ्य विभाग ने सलाह दी है कि वज्रपात के दौरान घर या सुरक्षित भवन के अंदर रहें तथा बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग से बचें। खिड़कियों, दरवाजों, धातु के पाइपों और पानी के संपर्क से भी दूरी बनाए रखें। यदि बाहर हों तो बिजली के तार, ऊँचे पेड़, पहाड़, टेलीफोन पोल और बड़ी मशीनों से दूर सुरक्षित स्थान पर शरण लें। मंडला सीएमएचओ ने नागरिकों से अपील की है कि वर्षा ऋतु में मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करें और आकाशीय बिजली से बचाव के लिए जारी सुरक्षा निर्देशों का गंभीरता से पालन कर स्वयं एवं अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

डायरिया रोको अभियान, जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण आयोजित

मंडला। डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड मंडला द्वारा विकासखंड मोहगाँव की 38 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायकों को जल गुणवत्ता परीक्षण एवं उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में उमा गणेश लोधी ने फील्ड टेस्ट किट से जल के भौतिक, जीवाणु एवं रासायनिक परीक्षण की विधियाँ बताईं। इसके साथ ही जल नमूना संग्रहण, परिणाम विश्लेषण एवं उपचारात्मक उपायों की जानकारी दी गई।

सीईओ जनपद पंचायत मोहगाँव कमल रंधावा ने सभी को गांव में पेयजल स्त्रोतों की नियमित जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता एवं जलजनित रोगों की रोकथाम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में सभी ग्राम पंचायतों को फील्ड टेस्ट किट, सोडियम हाइपोक्लोराइट एवं बैक्टो वॉयल्स वितरित किए गए। कार्यक्रम में उपयंत्री सोनल मरावी, सुनील पटले सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी कलेक्टर का बीजाडांडी क्षेत्र का दौरा

वर्षाकाल में स्वास्थ्य सेवाएं दुरुस्त रखने के निर्देश

बीजाडांडी। प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने शुक्रवार को बीजाडांडी क्षेत्र का सघन भ्रमण कर विभिन्न शासकीय व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और महिला बाल विकास विभाग से जुड़ी जमीनी हकीकत का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान प्रभारी कलेक्टर बीजाडांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। वर्षाकाल को देखते हुए उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सांप काटने की दवा (एंटी स्नेक वेनम) सहित सभी आवश्यक जीवनरक्षक दवाएं अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होनी चाहिए। इसके साथ ही अस्पताल परिसर में नियमित साफ-सफाई रखने और मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार देने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रभारी कलेक्टर ग्राम कालपी स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति द्वारा संचालित खाद वितरण केन्द्र पहुंचे। उन्होंने खाद वितरण व्यवस्था को देखा और निर्देश दिए कि ई-विकास प्रणाली के माध्यम से किसानों को बिना किसी परेशानी के समय पर खाद मुहैया कराई जाए।

बदहाली को लेकर अनशन पर बैठे नरेंद्र, अनदेखी से उपजा आक्रोश

- मांगें पूरी नहीं होने पर आज से शुरू होगा अनशन, सामाजिक न्याय जन आंदोलन मंच ने दी चेतावनी

नवभारत, मंडला। नगर की बदहाल सड़कों, अधूरी सीवर लाइन और जनसमस्याओं के निराकरण को लेकर सामाजिक न्याय जन आंदोलन मंच के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह परिहार का आंदोलन अब उग्र रूप लेता जा रहा है। 1 जुलाई से शुरू हुए इस क्रमिक अनशन को आम जनता और सामाजिक संगठनों का भारी जन समर्थन मिल रहा है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की लगातार अनदेखी के चलते आंदोलनकारियों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रशासन को पूर्व में ही अल्टीमेटम दिया जा चुका है। यदि आज मांगों पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो शनिवार 4 जुलाई से नरेंद्र सिंह परिहार आमरण अनशन पर बैठेंगे। सामाजिक न्याय जन आंदोलन मंच ने चिंता जताते हुए कहा है कि इस समय वर्षाकाल चालू है। तेज हवा-तूफान, पेड़ गिरने या आकाशीय बिजली जैसी प्राकृतिक आपदाओं के बीच अनशनकारी के स्वास्थ्य और सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। इसलिए प्रशासन को किसी भी अनहोनी से पहले तत्काल ध्यान देकर मांगें पूरी करानी चाहिए।

आंदोलन के जरिए उठाई 5 प्रमुख जनहित की मांगें

बताया गया कि हड़ताल पर बैठे नरेन्द्र सिंह परिहार ने नगर की समस्याओं को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षण कराते हुए पांच प्रमुख जनहित मांगे रखी है। जिसमें बड़ा चौराहा से हनुमान घाट मुक्तिधाम खैरी मार्ग का तत्काल डामलीकरण या कांक्रीट रोड निर्माण कराया जाए। मंडला नगर में सीवर लाइन कार्य के कारण खोदी और क्षतिग्रस्त की गई सभी सड़कों का उच्च गुणवत्ता के साथ तत्काल पुनर्निर्माण हो। वर्षा ऋतु को देखते हुए नगर के सभी 24 वार्डों के बड़े नाले और नालियों की तत्काल सफाई सुनिश्चित की जाए। महाराजपुर में सड़क सौंदर्यीकरण के नाम पर अधर में लटके अधूरे डिवाइडर का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। नगर के सभी मुक्तिधामों को सुव्यवस्थित कर उनका सौंदर्यीकरण किया जाए और वहां आवश्यक मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएं। आंदोलन स्थल पर लगातार पहुंच रहे सहयोगी समाजसेवियों ने प्रशासन के ढुलमुल रवैये पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि यह किसी व्यक्ति विशेष की लड़ाई नहीं बल्कि पूरे मंडला नगर की जनता का हक है। मंच के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह परिहार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि जब तक जनहित की इन मांगों पर जमीनी कार्रवाई शुरू नहीं होती, तब तक आंदोलन थमने वाला नहीं है।

जिले में 31.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई

मंडला। जिले में इस वर्ष 92 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 362.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष 270.3 मिलीमीटर कम वर्षा दर्ज की गई है।

अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 जुलाई 2026 को मंडला में 55.8 मि.मी., नैनपुर में 96.6 मि.मी. एवं बिछिया में 16.6 मि.मी., निवास में 4 मि.मी. एवं घुघरी में 5.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में 2 जुलाई 2026 को 31.6 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

बिना चालक के चल पड़ी बस, हाथ ठेले से टकराई, बड़ा हादसा टला

मंडला. शहर के प्राइवेट बस स्टैंड पर गुरुवार रात करीब 10 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां खड़ी एक बस अचानक बिना चालक के चल पड़ी और अनियंत्रित होकर सामने खड़े एक हाथ-ठेले से टकरा गई। घटना से बस स्टैंड परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस स्टैंड पर खड़ी बस अचानक आगे बढने लगी। उस समय बस में कोई चालक मौजूद नहीं था और बस खाली थी। कुछ ही क्षणों में बस ने रफ्तार पकड़ ली और सामने खड़े हाथ-ठेले से जा टकराई, जिससे ठेला क्षतिग्रस्त हो गया। घटना भीड़भाड़ वाले बस स्टैंड परिसर में हुई, लेकिन राहत की बात यह रही कि उस समय बस की चपेट में कोई व्यक्ति नहीं आया। समय रहते लोगों के सतर्क हो जाने से बड़ा हादसा टल गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद बस स्टैंड पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बस के सामने लोग होते तो गंभीर हादसा हो सकता था। घटना ने बसों की पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था पर भी चिंता खड़ी कर दी है।

पलायन कर रहे मजदूरों और नाबालिगों की जांच

- घुघरी थाना प्रभारी के निर्देशन में चला सघन चेकिंग अभियान

घुघरी। थाना घुघरी पुलिस ने थाना प्रभारी प्रकाश चंद्र सेन के कुशल निर्देशन में विगत रात्रि करीब 9 बजे एक विशेष सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इस अभियान के तहत पुलिस टीम ने मुख्य मार्गों पर दर्जनों वाहनों को रोककर बारीकी से तलाशी ली और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी।

बताया गया कि चेकिंग के दौरान पुलिस ने मजदूरी के लिए केरल जा रहे श्रमिकों और कुछ

नाबालिग लड़के-लड़कियों को रोककर उनसे पूछताछ की। पुलिस ने उनके गंतव्य, पहचान पत्र और यात्रा से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। थाना प्रभारी प्रकाश चंद्र सेन ने बताया कि अक्सर नाबालिग बच्चे बिना परिजनों को बताए दूसरे राज्यों में चले जाते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर खतरा बना रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने ऐसे लोगों की पूरी जानकारी एकत्र की है। अभियान के दौरान पुलिस ने बसों और अन्य यात्री वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बिठाने वाले वाहन चालकों पर भी शिकंजा कसा।

वाहन चेकिंग के साथ पुलिस ने यात्रियों को वर्तमान में चल रहे डिजिटल अरेस्ट जैसे गंभीर साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। पुलिस अधिकारियों ने यात्रियों को समझाया कि सीबीआई, ईडी, पुलिस या कोई भी सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल के जरिए किसी को डिजिटल अरेस्ट नहीं करती है। ऐसा कोई भी कॉल आने पर घबराएं नहीं, बल्कि तत्काल पुलिस या साइबर हेल्पलाइन नंबर पर इसकी सूचना दें।

मुसीबत — मुख्य सड़क का एप्रोच रोड बहने से आवागमन ठप, डिंडौरी-मंगली बस सेवा मवई में ही थमी

मवई-कुडैला मार्ग पर निर्माणाधीन पुलिया बारिश में बही, यात्री परेशान

नवभारत, मवई। मवई मुख्यालय को मंडला से जोड़ने वाली और नेशनल हाईवे 30 को मिलाने वाली मुख्य सड़क पर राहगीरों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। क्षेत्र की इस सबसे व्यस्त और प्रमुख सड़क मवई-कुडैला मार्ग पर ठेकेदार की लापरवाही और निर्माण कार्य में हो रही अत्यधिक देरी अब आम जनता पर भारी पड़ने लगी है।

बताया गया कि गुरुवार को क्षेत्र में हुई तेज बारिश ने निर्माण कार्य की पोल खोल कर रख दी। बारिश के तेज बहाव में निर्माणाधीन पुलिया और उसके बगल से निकाला गया वैकल्पिक एप्रोच रोड पूरी तरह बह गया। रास्ता बंद होने के कारण मेड़ाघोटा और मजगांव से मवई आए ग्रामीण वापसी के दौरान पुलिया के पास ही फंस गए। घंटों फंसे रहने के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बस सेवा प्रभावित, यात्री हुए बेहाल

पुलिया के क्षतिग्रस्त होने का सीधा असर क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था पर पड़ा है। डिंडौरी से समनापुर होते हुए मंगली की ओर जा रही यात्री बस को रास्ता बंद होने के कारण मवई मुख्यालय में ही रोकना पड़ा। अचानक बस रुकने से डिंडौरी और समनापुर की ओर आने-जाने वाले यात्री बीच मझधार में फंस गए और उन्हें अपने गंतव्य तक पहुँचने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी।

स्थानीय लोगों में आक्रोश जल्द निर्माण की मांग

स्थानीय निवासियों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से किया जा रहा है। मानसून सिर पर होने के बावजूद सुरक्षा और पुख्ता वैकल्पिक मार्ग के इंतजाम नहीं किए गए, जिसका खामियाजा आज पूरा क्षेत्र भुगत रहा है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कराई जाए और ठेकेदार को निर्देशित कर पुलिया व सड़क का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर पूरा कराया जाए, ताकि आवागमन सुचारू हो सके।

कार्यालय नगरपालिका परिषद नैनपुर, जिला- मण्डला (म.प्र.)
Office of Municipal Council Nainpur, District - Mandla (M.P) Phone No. 07646-240106, Email ID - cmonanpur@mpurban.gov.in

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2026_UAD_512061_1 दि. 01/07/2026 NIT No. 1114/NP/2026	वार्ड क्र. 10 में ईरिगेशन कॉलोनी के सामने से अजय पिपरे तक नाला निर्माण कार्य।	03 Month 8,16,984/-	2,000/- 8,200/-	18/07/2026
2026_UAD_512062_1 दि. 01/07/2026 NIT No. 1114/NP/2026	वार्ड क्र. 03 दिलीप जैन के घर से चकोर पुल तक दोनों ओर नाली में स्लैब निर्माण कार्य।	03 Month 6,02,969/-	2,000/- 6,100/-	18/07/2026
2026_UAD_396730_4 दि. 01/07/2026 NIT No. 1114/NP/2026	वार्ड क्र. 02 गैरिज के उपर सभागृह निर्माण कार्य (4th Call)	06 Month 15,30,869/-	2,000/- 11,500/-	18/07/2026
2026_UAD_512064_1 दि. 01/07/2026 NIT No. 1116/NP/2026	नगर पालिका परिषद में सिविल कार्य हेतु विभिन्न निर्माण सामग्री प्रादाय करने हेतु निविदा (2nd Call)	03 दिन 20,00,000/-	5,000/- 40,000/-	18/07/2026

शर्त :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑन लाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद नैनपुर